INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date: 23/7/2020
Question Bank	Topic: बस की यात्रा	Note: Pls. write in your Hindi note book

शब्दार्थ-

हाज़िर: उपस्थित

सफ़र: यात्रा

डाकिन: डराने वाली

श्रद्धा: किसी के प्रति आदर -सम्मान और प्यार का भाव होना

उमड़: जमा होना

वयोवृद्ध: बूढ़ी या पुरानी

निशान: चिह्न

वृद्धावस्था: बुढ़ापा

कष्ट: परेशानी

हिस्सेदार: साझेदार

गज़ब: आश्चर्य

विश्वसनीय-विश्वास करने लायक (भरोसे वाली)

विदा: आखिरी सलाम

रंक: गरीब

कूच करने: जाना

निमित्त: कारण

फौरन: तुरंत

सरक: खिसक

असहयोग आंदोलन (1920) और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) गाँधी जी द्वारा चलाया गया आंदोलन

ट्रेनिग: सीख

दौर: ज़माने

गुजर: चल

असहयोग: साथ न देना

भेदभाव: अंतर

उम्मीद: आस

रफ़्तार: गति

भरोसा: विश्वास

लुभावने: सुन्दर

गोता: डुबकी

इत्तफ़ाक: संयोग

क्षीण: कमज़ोर

दयनीय: बेचारी

ग्लानि: खेद

प्राणांत: मरना

बियाबान: सुनसान

अंत्येष्टि: अंतिम क्रिया

ज्योति: रोशनी

टटोलकर: ढूंढकर

रेंग: धीरे-धीरे चल

एक पुलिया: छोटा सा पुल

फिस्स: एक प्रकार की ध्वनि

थम: रूक

श्रद्धाभाव: सम्मान के साथ

जान हथेली पर लेकर: बहुत खतरा लेना

उत्सर्ग: बलिदान

दुर्लभ: जो कम मिलता हो

पसारे: फैलाए

प्राण: जान

वक्त: समय

उम्मीद: आशा

प्रयाण: प्रस्थान

बेताबी: बेचैनी

Questions Answers - प्रश्न अभ्यास

प्र॰1-"मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।"लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर- लेखक के मन में हिस्सेदार के प्रति श्रद्धाभाव इसलिए जगी क्योंकि वह खटारा बस चलवा रहा था,थोड़े से पैसे बचाने के चक्कर में बस का टायर नहीं बदलवा रहा था और अपने साथ-साथ यात्रियों की जान भी जोखिम में डाल रहा था इसलिए लेखक ने श्रद्धाभाव कह कर उस पर व्यंग्य किया है।

प्र॰2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर- लोगों ने लेखक को शाम वाली बस से सफर न करने की सलाह दी क्योंकि उस बस का कोई भरोसा नहीं था कि वह कब और कहाँ रूक जाए| उसकी हालत जीर्ण-शीर्ण थी।यदि रात में वह कहीं खराब हो गई तो परेशानी होगी।लोगों ने इस बस की तुलना डाकिन (चुड़ैल) से की ।

प्र॰3 "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर-जब बस का इंजन स्टार्ट हुआ तब पूरी बस झनझनाने लगी। खिड़कियों के शीशे हिलने लगे| बहुत ज़ोर से आवाज आने लगी तब लेखक को ऐसा लगा कि पूरी बस ही इंजन है।मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हो।

प्र॰4 "गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर- लेखक को बस की टूटी-फूटी स्थिति देखकर लगा कि बस नहीं चल पाएगी परंतु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा कि चलेगी ही नहीं बल्कि अपने आप चलेगी।एक तो खटारा बस दूसरे अपने-आप चलेगी|यह सुनकर लेखक को हैरानी हुई।

प्र॰5 "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।"लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

उत्तर-लेखक को पेड़ों से डर लग रहा था क्योंकि उसकी बस किसी पेड़ से टकरा सकती थी।एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतजार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए।यही कारण था कि लेखक को हर पेड़ दुश्मन लग रहा था।

अति लघु प्रश्न-

प्र 1- लेखक ने कितने मित्रों के साथ बस की यात्रा की थी?

उ- लेखक ने चार मित्रों के साथ बस की यात्रा की थी|

प्र 2- लोगों ने बस की तुलना किससे की थी?

उ- लोगों ने बस की तुलना डाकिन से की थी|

प्र3-लेखक ने बस को किसके योग्य बताया था?

उ- लेखक ने बस को पूजा के योग्य बताया था|

प्र 4-लेखक किसे अपना दुश्मन समझ रहा था?

उ- लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन समझ रहा था|

---000---